मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 335, मुंबई, गुरुवार, 20 मार्च, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

दिशा सालियान सुसाइड केस

क्या होंगे आदित्य ठाकरे गिरफ्तार!

पिता की बॉम्बे बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका, कभी जांच से थे खुश

मुंबई। एक बड़ी खबर के अनुसार अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने दिशा की मौत की नए सिरे से जांच की मांग करते हुए बीते बुधवार को उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। वहीं इस याचिका में शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और जांच सीबीआई को सौंपने का आग्रह भी किया गया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दिशा सालियान की मौत एक दुर्घटना! आदित्य ठाकरे के बचाव में उतरे संजय राउत, बोले- औरंगजेब से पलड़ा झाड़ने...

आदित्य ठाकरे की कथित भूमिका की जांच की मांग को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, मर्डर गलत है। मैंने पुलिस जांच देखी है, और यह एक दुर्घटना थी, हत्या नहीं है। उसके पिता ने घटना के पांच साल बाद याचिका दायर की है। पूरा राज्य इस याचिका के पीछे की राजनीति जानता है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, इस मामले की जांच पूरी हो चुकी है और जो जांच हुई है वो ऑन रिकॉर्ड है। ये लोग औरंगजेब के मुद्दे पर पनप नहीं पाए, जिसका असर उनके खिलाफ हो गया। औरंगजेब के मुद्दे से अपना पल्ला झाड़ने के लिए वे दिशा सालियान मामले को हवा दे रहे हैं।

दिशा की मौत संदिग्ध : संजय शिरसाट

दिशा सालियान के पिता द्वारा बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने और मौत के मामले में आदित्य ठाकरे की कथित भूमिका की जांच की मांग पर, महाराष्ट्र के मंत्री संजय शिरसाट ने कहा, उनकी मौत संदिग्ध थी। आज उनके पिता ने खुलकर बात की है। उन्होंने अब हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस मामले में दोषी पाए जाने वालों को जेल भेजा जाएगा।

कोंकण रेलवे का भारतीय रेलवे में होगा विलय

फडणवीस सरकार ने दिखाई हरी झंडी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। लोकसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान भाजपा सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने कोंकण रेलवे के विलय के संबंध में प्रश्न पूछा था। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसका जवाब देते हुए कहा कि कोंकण रेलवे को यातायात सुरक्षा के लिए बड़े बदलाव की जरूरत है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड का बुनियादी ढांचा 25 साल से अधिक पुराना हो गया है, जिसके लिए यातायात की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिहाज से पूंजीगत परिसंपत्तियों के बड़े नवीनीकरण की आवश्यकता है। अब महाराष्ट्र सरकार ने इसे लेकर बड़ा फैसला किया है। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बुधवार को विधान परिषद में घोषणा की कि महाराष्ट्र सरकार कोंकण रेलवे निगम लिमिटेड के भारतीय रेलवे में विलय को अपनी मंजूरी देगी। उन्होंने कहा कि इस कदम से केआरसीएल को अपनी वित्तीय बाधाओं को दूर करने में मदद मिलेगी, जबकि इसका नाम कोंकण रेलवे बरकरार रहेगा। (शेष पृष्ठ 3 पर)

गुजरात के नियम अब महाराष्ट्र में होंगे लागू

सरकारी कर्मचारियों पर कसेगी नकेल, सीएम ने किया बड़ा ऐलान

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। सोशल मीडिया पर सरकारी अधिकारियों की सक्रियता पर अब सवाल खड़े हो गए है। इस पर अब महायुति सरकार एक्शन लेने जा रही है। सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों की सोशल मीडिया पर बढ़ रही सक्रियता पर लगाम लगाने के लिए राज्य सरकार साल 1979 के सेवा शर्तों के नियमों में संशोधन करेगी और नये नियम बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की है कि अधिकारियों झ कर्मचारियों के आचरण के संबंध में उपयुक्त नियम बनाए जाएंगे और इन नियमों को सेवा-शर्तों का हिस्सा बनाया जाएगा। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इस संबंध में जल्द जीआर जारी किया जाएगा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

गुजरात और जम्मू-कश्मीर में बने नियम

इसके जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि साल 1979 में सेवा नियम बनाए गए थे। उस समय सोशल मीडिया नहीं था। कई जगह सरकारी कर्मचारी सरकार के खिलाफ पोस्ट करते हैं। वे अपने कर्तव्य का महिमामंडन करते प्रतीत होते हैं, इसलिए कुछ नियम आवश्यक हैं। सरकार जनता से जुड़ने और नागरिकों की सहभागिता के लिए सोशल मीडिया का उपयोग बढ़ाने की आशा करती है। इस बारे में अध्ययन करने पर पता चला है कि गुजरात और जम्मू-कश्मीर सरकारों ने इसके लिए अच्छे नियम बनाए हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

कब्र में सिमटी सियासत!

सही नजरिया है इतिहास को याद रखना और उससे सबक लेते हुए आगे बढ़ना। कोई भी प्रगतिशील समाज इतिहास में सिमट कर नहीं रह जाता। स्मारकों से इतिहास का बदला लेना सिर्फ वहीं संभव है, जहां भविष्य का कोई सपना ना हो।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने नागपुर में हुई सांप्रदायिक हिंसा की जिम्मेदारी फिल्म छावा पर डाल दी है। वैसे उन्होंने फिल्म की यह कहते हुए तारीफ की इसने औरंगजेब के अत्याचारों का सजीव चित्रण किया है, लेकिन जोड़ा कि इससे लोग उत्तेजित हो गए हैं। इस तरह उन्होंने उत्तेजना का माहौल बनाने में अपनी सरकार के मंत्रियों और सत्ताधारी जमात के कई संगठनों की भूमिका पर परदा डालने की कोशिश की। वैसे, इस सिलसिले में खुद मुख्यमंत्री की कुछ बातें कम विवादास्पद नहीं रही हैं। बहरहाल, फड़णवीस ने यह भी कहा कि हिंसा पूर्व-नियोजित थी। ऐसा था, उनकी सरकार के खुफिया तंत्र को इसकी भनक क्यों नहीं लगी या सूचना के होने के बाद भी प्रशासन ने एहतियाती कदम क्यों नहीं उठाए? राज्य के लोग उत्तेजित हैं, तो उन्हें सही नजरिया देकर शांत और संयमित करने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? औरंगजेब ने जो कुछ किया, वह इतिहास में दर्ज है। उसकी कब्र खोद डालने से इतिहास के उस अध्याय को मिटाया नहीं जा सकता। सही नजरिया होता है इतिहास को याद रखना और उससे सबक लेते हुए आगे बढ़ना। कोई भी प्रगतिशील समाज इतिहास में सिमट कर नहीं रह जाता। हिटलर ने लाखों यहूदियों को संहार शिविरों में डाल कर मार डाला था। यूरोपीय देशों ने उन शिविरों के निशान मिटाने की कोशिश नहीं की है। बल्कि उन्हें सहेज कर रखा है, ताकि आने वाली पीढ़ियां जान सकें कि इतिहास में वो भयानक दौर भी आया था- और संभव हो, तो उसका दोहराव रोकने के लिए वे सचेत रहें। कब्र या स्मारकों से ऐतिहासिक घटनाओं का बदला लेना सिर्फ उसी समाज में संभव है, जहां भविष्य का कोई सपना नहीं हो। यह मुद्दा है कि औरंगजेब की कब्र खोद डालने से आज के मसले कैसे हल हो जाएंगे या उससे भारत का भविष्य कैसे संवर जाएगा? समाज को ऐसी समझ देना उन नेताओं का दायित्व ही है, जिन्हें लोगों अपनी रहबरी सौंपी है। इसके विपरीत आचरण करना खुद को इतिहास के कठघरे में खड़ा करने की तैयारी करना होगा। अतः नागपुर के जख्म पर तुरंत मरहम लगाने की जरूरत है।

वक्फ रिसर्च बिल वापस लोः एकता संगठन ने कलेक्टर ऑफिस के बाहर किया विरोध प्रदर्शन

रावेर। केंद्र सरकार के वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर सोमवार को समाहरणालय के बाहर मौजूद प्रदर्शनकारियों से बातचीत करते हुए एकता संगठन के संयोजक फारूक शेख ने कहा कि ये प्रदर्शन 17 मार्च को वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर जिले और महाराष्ट्र राज्य के सामाजिक कार्यकर्ताओं और राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों की अंतरात्मा को जगाने के लिए थे। प्रस्तावित कानून वक्फ संपत्तियों को हथियाने का मार्ग प्रशस्त करेगा और यह मुसलमानों पर सीधा हमला है। शेख ने कहा, हमें उम्मीद थी कि संसद की संयुक्त समिति हमारे सुझावों पर विचार करेगी। लेकिन हमारे विचारों पर विचार नहीं किया गया और न ही विपक्ष द्वारा सुझाए गए संशोधनों पर विचार किया गया। उन्होंने कहा कि संसदीय समिति द्वारा मांगे गए सुझावों पर 3.6 करोड़ से अधिक प्रतिक्रियाएं बोर्डा के माध्यम से ईमेल द्वारा मुस्लिम व्यक्तियों ने भेजी गईं लेकिन इस पर विचार नहीं किया गया। विधेयक भेदभावपूर्ण है क्योंकि यह वक्फ बोर्डों और परिषदों में गैर-मुस्लिम सदस्यों के लिए प्रावधान करता है, जबकि हिंदुओं और सिखों के प्रबंधन में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। पाँच करोड़ मुसलमानों द्वारा विधेयक के खिलाफ संयुक्त समिति को ईमेल भेजने और मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, प्रमुख राष्ट्रीय और राज्य-स्तरीय मुस्लिम संगठनों और प्रमुख व्यक्तियों के व्यापक प्रतिनिधित्व के बावजूद, सरकार ने न केवल अपनी स्थिति पर पुनर्विचार करने से इनकार कर दिया है, बल्कि विधेयक को और अधिक कठोर और विवादास्पद बना दिया है। लोकतांत्रिक देशों में, किसी भी कानून या विधेयक को विधायिका में पेश करने से पहले उसके प्राथमिक हितधारकों

के साथ चर्चा की जाती है। हालांकि, इस सरकार ने शुरू से ही सत्तावादी दृष्टिकोण अपनाया है, उन्होंने कहा। उन्होंने दावा किया कि जब विधेयक की विपक्षी दलों ने कड़ी आलोचना की तो 31 सदस्यीय संयुक्त समिति का गठन किया गया, लेकिन उस पर सत्तारूढ़ दल के सदस्यों का दबदबा था और उन्होंने सतही बदलाव किए और विधेयक को और अधिक कठोर बना दिया। बयान में कहा गया है कि समिति ने मुस्लिम समुदाय की सुविचारित आपत्तियों और उचित सुझावों के साथ-साथ समिति में शामिल विपक्षी सदस्यों द्वारा सुझाए गए 44 संशोधनों को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। सभी प्रयासों के बावजूद, मुस्लिम समुदाय की वैध चिंताओं को नजरअंदाज कर दिया गया है और एनडीए सरकार वक्फ संपत्तियों को जब्त करने और नष्ट करने के अपने एजेंडे के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देती है। बयान में कहा गया, यह बहुत अफसोस की बात है कि एनडीए के सहयोगी दल, जो धर्मनिरपेक्ष और न्यायप्रिय होने का दावा करते हैं, मुस्लिम वोट हासिल करने के बावजूद बीजेपी के सांप्रदायिक एजेंडे का समर्थन कर रहे हैं। मुस्लिम समुदाय इस वक्फ संशोधन विधेयक को समुदाय पर सीधा हमला मानता है। "इस प्रदर्शन का उद्देश्य धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों की अंतरात्मा को जगाना है. द्वारा निर्देशित चालीसगांव के जाकिर कुरेशी, सावदा के अजगर खान, मुक्ताई नगर के हकीम चौधरी, अदावाद के शब्बीर शेख, मुफ्ती अतीक, मुफ्ती खालिद, मौलाना रहीम पटेल आदि ने प्रदर्शनकारियों का मार्गदर्शन किया।

प्रदर्शन द्वारा घोषणा

वापस ले लोः वापस ले लो

वक्फ बिल वापस लो!

रद्द करें : रद्द करें :

वक्फ अनुसंधान विधेयक को निरस्त करें

वक्फ संशोधन बिल वापस लो

वह प्रदर्शन के लिए मौजूद थे मुफ्ती अतीकुर रहमान, मुफ्ती खालिद, मुफ्ती अनस, मौलाना रहीम पटेल, मौलाना तोफीक शाह, मौलाना शफी पटेल, मौलाना कासिम, मौलाना मुक्तार पटेल, फारूक शेख, मजहर खान, अनीस शाह, मतीन पटेल, मुक्तदिर देशमुख, यूसुफ खान, अनवर खान, सलीम इनामदार, आरिफ देशमुख, महमूद सर, मुक्तदिर देशमुख, मुक्तार पटेल, चालीसगांव के अमजद खान, मुक्ताईनगर के कलीम मनियार, हकीम चौधरी, अदवाद के शब्बीर शेख, सवादा के असलम खान सैयद, अजगर अजमल खान, वाघोड़ा के शेख चांद, पचोरा के रफीक शाह और निम्नलिखित शाह, पालधी जावेद पिंजारी, फारूक शाह, शिरसोली के दानिश, भडगांव के जाकिर कुरेशी, मुंसफ खान, मोहम्मद हसीन, वसीम खान, मोहसिन खटिक वारनगांव के कय्यूम शेख और श्रीमती निगार शेख, जलगांव के ताहेर शेख, सैयद आरिफ, मोहम्मद परवेज, आसिफ अजगर, अनवर खान, हा फिस खान, मोहम्मद महमूद, वसीम खान, मुक्तार अनीस, अनीस मनियार, मुस्ताक करीमी, साबिर मुस्तफाबादी, मोई नोद्दीन, रफीक। पिंजारी, फजल शेख, मोहम्मद इदरीस, अब्दुल करीम, वसीम शकील, जकी पटेल, अब्दुल हमीद, अमलनेर के सैयद हुसैन, मोहम्मद खलील, शेख रहीम, अजमल खान, सैयद कलीम, नाजिम अली, मोहम्मद मुश्ताक बादलीवाले, मुक्तार शेख, तोफीक शाहिद, अतीक तेली, नजमुद्दीन, सोहेल उमर, मोहसिन यूसुफ, नईम खटीक, मुजफ्फर। खान, मोहम्मद इरफान आदि सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

जिला मजिस्ट्रेट को बयान

कलेक्टर आयुष प्रसाद के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष, राज्यसभा अध्यक्ष, प्रधानमंत्री, लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता के साथ-साथ अल्पसंख्यक मंत्रियों से एकमुश्त मांग की गई कि यदि हम इसका विरोध करते हैं तो संशोधन विधेयक 2024 को संसद में पारित न करें।

द्वारा दिया गया बयान

वरनगांव की सुश्री निगार सुल्ताना, मुफ्ती अतीक, मुफ्ती खालिद, रहीम पटेल, फारूक शेख, बाबा देशमुख आदि ने कलेक्टर आयुष प्रसाद को बयान दिया।

मुनव्वर कौसर ने किया इफ़्तार पार्टी का आयोजन, भाजपा-कांग्रेस के कई दिग्गज नेता हुए शामिल

मुंबई हलचल/संवाददाता

भोपाल। राजधानी भोपाल के एक निजी मैरिज गार्डन में ऑल इंडिया कौमी तंजीम के प्रदेश अध्यक्ष और मीडिया हाऊस के संचालक मुनव्वर कौसर की ओर से दावत-ए-खास इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी सहित कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं ने शिरकत की। कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी, भोपाल उत्तर से कांग्रेस विधायक आरिफ अकील सहित मीडिया जगत से जुड़े लोग और शहर के कई गणमान्य नागरिक इस इफ़्तार पार्टी में शामिल हुए। वहीं कांग्रेस के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद साजिद अली, कांग्रेस नेता आसिफ जकी, रामबाबू शर्मा सहित शहर की कई नामचीन हस्तियों ने इफ़्तार पार्टी में शिरकत की। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी ने कहा कि भोपाल गंगा जमुनी तहजीब का शहर रहा है और मुनव्वर कौसर हमेशा की तरह आज भी गंगा जमुनी तहजीब को बरकरार रखे हुए हैं। इफ़्तार से पहले यहां देश में अमन, भाईचारा, सामाजिक सद्भाव और देश प्रदेश की तरक्की की दुआ मांगी गई। कौमी तंजीम के प्रदेश अध्यक्ष मुनव्वर कौसर ने कहा कि रमजान का महीना रहमतों और इबादतों का महीना है। उन्होंने कहा कि अल्लाह सबकी इबादत कबूल करे और रहमतों से नवाजे। उन्होंने पुनः सभी को रमजान और ईद उल फित्र की की मुबारकबाद दी। (साजिद खान)

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

ख्वाजा दाना दरगाह सुरत में 425 साल से हो रही है रोजा इफ्तारी

रोजाना 2000 लोग करते हैं रोजा इफ्तारी: नकीब नुरानी

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर

सुरत। सुरत शहर के सुफी संत नक्श बंदी हजरत ख्वाजा दाना दरगाह में सज्जादानशीन सय्यद फीरोज शाह बाबा की सदारत में रोजाना रमजान के महिने में 350 से अधिक थाल रोजा इफ्तारी के लिए सजाए जाते हैं जिस में फल फ्रुट, समोसे, भजिये, पकोड़े, तरकारी, पुलाव, खजूर, सरबत से पुरा थाल सजाया जाता है। पिछले 425 सालों से ये रोजा इफ्तारी का बंदोबस्त किया जाता है रोजाना 1800 से 2000 लोग यहां रोजा इफ्तारी करते हैं जिसमें ख़्वातीन के अलग बंदोबस्त इंतेजामिया की तरफ से किया जाता है और मर्द हजरात के अलग बंदोबस्त किया जाता है। रमजान के

महीने में रोजा इफ्तारी के लिए दरगाह के खादीमों के साथ साथ मेमन समाज के इंटर नेशनल मेमन ऑर्गेनाइजेशन के वाईस प्रेसिडेंट नकीब नुरानी और उनकी टीम पुरे रमजान महीने में यहां रोजा इफ्तारी के लिए इंतेजामात में खड़े रेहते हैं नकीब नुरानी ने मिडिया से बात करते हुए बताया कि 350 से ज्यादा थाल रोजा इफ्तारी के लिए असर की नमाज के बाद से तैयारियां शुरू कर दी जाती है और छोटे बड़े सब मिलकर थाल लगाते हैं। दिल्ली दस्तरख्वान की तरफ से यहां रोजाना तरकारी का इंतजाम किया जाता है। और खास तौर पर यहां इफ्तारी के लिए लिल्लाहफंड लिया जाता है इसके लिए दरगाह के सेन में अलग से स्टोल कांउटर हर साल लगाया जाता है और रोजा इफ्तारी के लिए ताऊन करने वालों को रशीद बना कर दी जाती है।

जुहू एटीएस यूनिट में शानदार रोजा इफ्तार, अमन और भाईचारे का दिया संदेश

मुंबई। जुहू एटीएस (एंटी टेररिज्म स्क्वाड) यूनिट द्वारा आज एक भव्य रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस अधिकारियों, समाजसेवकों और शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। यह आयोजन आपसी भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक बना, जहां देश में अमन, शांति और सौहार्द के लिए विशेष दुआ की गई।

पुलिस अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति

इस इफ्तार समारोह में एटीएस जुहू यूनिट के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुनील माने के नेतृत्व में कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। इस दौरान एपीआई सचिन पाटिल, पीआई प्रहंत आराडवाड, हेड कांस्टेबल प्रदीप बागवे, दिलीप शिंदे, महिला पुलिस सुप्रिया नाटे, महिला पुलिस अमृता बोरचाटे, पीएसआई प्रकाश

सिंगाडे, हेड कांस्टेबल विवेक शिंदे, महेश कदम, सचिन पवार, संदीप सरदार, संजय पवार, नवनाथ मंडलिक, राजू सोंनड, सतीश पाटिल, राजेंद्र खरात, पीएसआई अरविंद मोहिते और संतोष होलकर सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने बढ़ाई शोभा

इफ्तार पार्टी में शहर के प्रतिष्ठित समाजसेवक और गणमान्य व्यक्ति भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इनमें प्रमुख रूप से लोकप्रिय समाजसेवक अनीस सौदागर, फजल सौदागर, बुलंद दुनिया न्यूज के एडिटर जफर सिद्दीकी, सामाजिक कार्यकर्ता आरिफ अंसारी मौजूद रहे। इसके साथ ही, शेख फाउंडेशन के संस्थापक मुश्ताक शेख, माइनॉरिटी विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इम्तियाज शेख और महाराष्ट्र सचिव इमरान शेख ने भी इस आयोजन की गरिमा को बढ़ाया।

भाईचारे और सौहार्द का अद्भुत उदाहरण

इफ्तार पार्टी के दौरान सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और पुलिस अधिकारियों ने एकजुट होकर समाज में शांति, भाईचारे और सौहार्द की दुआ मांगी। इस आयोजन ने सामाजिक एकता और सामुदायिक सौहार्द का बेहतरीन संदेश दिया।

जुहू एटीएस यूनिट की सराहनीय पहल

जुहू एटीएस यूनिट की इस पहल की सभी ने सराहना की। ऐसे आयोजन पुलिस और समाज के बीच आपसी विश्वास और सहयोग को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस कार्यक्रम ने यह साबित किया कि जब समाज के विभिन्न वर्ग एक मंच पर आते हैं, तो एकता, सौहार्द और भाईचारे का संदेश और अधिक मजबूत होता है। यह आयोजन सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने वाला एक प्रेरणादायक उदाहरण बना, जिससे भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों को प्रोत्साहन मिलेगा।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

क्या होंगे आदित्य ठाकरे गिरफ्तार!

उनका आरोप है कि दिशा के साथ सामुहिक दुष्कर्मके बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। जानकारी दें कि, बीजेपी नेता नितेश राणे ने ही आज से तीन साल पहले दिशा से गैंगरेप के बाद उनकी हत्या का आरोप लगाया था। हालांकि तब दिशा के माता-पिता ने बेटी को बदनाम करने की साजिश कहते हुए उल्टा नितेश पर ही केस दर्ज कराया था। वहीं अब दिशा के पिता का कहना है कि उन्हें नजरबंद करके पुलिस के पेश सबूतों को सच मानने के लिए मजबूर किया गया था। इसके साथ ही अपनी इस याचिका में उन्होने सूरज पांचोली, डिनो मोर्या और मुंबई पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने इस बाबत बुधवार को कहा कि उन्होंने जून 2020 में रहस्यमयी परिस्थितियों में हुई अपनी बेटी की मौत की नये सिरे से जांच कराने के लिए बंबई उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। सतीश ने कहा कि याचिका में उच्च न्यायालय से शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। इधर दिशा के पिता की इस याचिका के बाद महाराष्ट्र में राजनीति तेज हो गई है। इस बाबत कैबिनेट मंत्री नितेश राणे ने कहा, आदित्य ठाकरे को विधायक पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और जांच का सामना करना ही चाहिए। हालांकि, शिवसेना (उबाठा) के प्रवक्ता ने आश्चर्य जताया कि चार साल बाद अचानक यह मामला सुर्खियों में क्यों आ गया। उन्होंने इसमें साजिश की आशंका जताई। गौरतलब है कि महाराष्ट्र विधानमंडल का बजट सत्र अभी चल रहा है। सतीश सालियान के वकील नीलेश ओझा ने कहा कि वे अभी भी याचिका दायर करने की प्रक्रिया में हैं और आज हाई कोर्ट के रजिस्ट्री विभाग में इस पर नंबर दर्ज कराएंगे। बताते चलें कि, दिशा सालियान की मौत आठ जून 2020 को उपनगरीय मलाड में एक आवासीय इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने से हुई थी। इसके बाद शहर की पुलिस ने दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया था। वहीं उस समय दिशा के पिता ने इस जांच को संतोषजनक भी करार दिया था।

कोंकण रेलवे का भारतीय रेलवे में होगा विलय

राज्य विधानमंडल के ऊपरी सदन में भाजपा के प्रवीण दरेकर के प्रश्न के उत्तर में फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र कोंकण रेलवे के विलय के लिए अपनी सहमति से केंद्र को अवगत कराएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहे रेलवे ट्रैक का दोहरीकरण हो या भूस्खलन निरोधक उपाय करना हो, केआरसीएल धन की कमी के कारण आगे नहीं बढ़ सका। सीएम फडणवीस कहा कि इस मुद्दे पर केंद्र सरकार के साथ कई बार चर्चा हुई और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने समाधान के तौर पर विलय का प्रस्ताव रखा। उन्होंने ने कहा कि केरल, कर्नाटक और गोवा ने पहले ही मंजूरी दे दी है। अपनी सहमति जताते हुए हमने केंद्र सरकार से कोंकण रेलवे का नाम बरकरार रखने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह अनुरोध स्वीकार कर लिया है।

गुजरात के नियम अब महाराष्ट्र में होंगे लागू

किसी भी परिस्थिति में अनियंत्रित व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विधान परिषद में विधायक डॉ. परिणय फुके ने ध्यानाकर्षण सूचना के तहत सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों की सोशल मीडिया पर बढ़ रही सक्रियता को लेकर सवाल उठाए थे। इससे पहले फुके ने कहा कि सरकारी अधिकारी-कर्मचारी रील्स बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से यह छवि बनाई गई है कि जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक या पुलिस इंस्पेक्टर ही पूरे क्षेत्र के सभी मामलों की देखरेख करते हैं। वे ही राज्य को चलाते हैं। अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाना आवश्यक है। इसके लिए सख्त नियम बनाए जाने चाहिए। महाराष्ट्र सिविल सेवा आचरण नियमों के तहत पिछले 3 वर्षों में कितने कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है?

अल्लाह उसके रसूल, उसके कलाम, उसके बंदों का हक अदा करने वाले ईद मुबारक के असली हकदार : साजिद खान

धनपुरी। धनपुरी नगर के युवा पत्रकार लेखक इतिहास के जानकार साजिद खान ने मीडिया को जारी अपने बयान में कहा है कि ईद मुबारक के असली हकदार वह लोग है जिन्होंने पूरे 1 महीने अल्लाह के हुक्मों की फर्मांबरदारी की और रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के सुन्नतों पर अमल किया और रोजे में भूखा प्यासा रहा जाता है ताकि इंसान के अंदर आत्म संयम पैदा हो और वह भूख प्यास का एहसास कर सके ताकि वह भूखो प्यासों का सहारा बन सके और इस महीने में अल्लाह का कलाम कुरान मजीद नाजिल किया गया उसका हक यह है कि उसको समझ कर पढ़ा जाए उसमें अल्लाह ने जिन बातों का हुक्म दिया है उस पर अमल किया जाए और यह कुरान मजीद सारी दुनिया और सारे जहां के पैदा करने वाले अल्लाह का कलाम है इसलिए उसके सारे बंदों तक उसके पैगाम को पहुंचाया जाए। उस शख्स से बढ़कर बेवकूफ कौन हो सकता जो किसी किताब को जिंदगी भर बड़े अकीदत से पढ़े पर यह ना जाने कि उसमे क्या लिखा है इस लिए हमे कुरान को समझ कर पढ़ना चाहिए कुरान की एक आयत को समझना 1000 रकात नफिल नमाज पढ़ने के बराबर है। 1 महीने की जो रमजान मुबारक ने हमें जो ट्रेनिंग दी है आइंदा आने वाले 11 महीना भर इस तरह नेकी की राह पर चलते रहे जिन्होंने ऐसा किया हकीकत में वही ईद मुबारक के सच्चे हकदार है सभी देशवासियों को मेरी तरफ से ईद उल फित्र की बहुत-बहुत मुबारकबाद। अल्लाह से दुआ है कि वह हमें और आपको अपने और अपने रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के हुक्मों पर हमेशा अमल करने की तौफीक अता फरमाए आमीन या रब्बुल आलमीन।

-हज्जन जुबेदा बी मीडिया ग्रुप धनपुरी

हलक में अटकी सांसें, चिंता में लोग डूबे

1900 डिग्री तापमान... 7 मिनट के लिए टूटा संपर्क, जब सुनीता सहित चार अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी के दौरान मंडराया कल्पना चावला जैसा खतरा!

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर नौ महीने अंतरिक्ष में बिताने के बाद सकुशल धरती पर लौट आए। जिसे एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, उपलब्धि के इन पलों के बीच एक समय ऐसा भी आया जब लोग चिंता में डूब गए। बुधवार तड़के स्पेसएक्स का ड्रैगन कैप्सूल अंतरिक्ष यात्री निक हेग, बुच विल्मोर, सुनीता विलियम्स और रोस्कोस्मोस अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोरबुनोव को धरती पर वापस लाने वाला ड्रैगन कैप्सूल फ्लोरिडा के तट पर उतरा। अंतरिक्ष से धरती तक का यह सफर 17 घंटे का था। लेकिन लैंडिंग की इस प्रक्रिया में सांसें थामने वाला 7 मिनट का एक पल भी था। जैसे ही स्पेसक्राफ्ट ने पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश किया तो उसका तापमान 1900 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो गया। यह वह समय था जब सात मिनट के लिए कम्युनिकेशन ब्लैकआउट हो गया।

स्पेसक्राफ्ट का पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश बहुत ही निर्णायक

तापमान अधिक होने से स्पेसक्राफ्ट के क्रैश होने की आशंका बढ़ जाती

साल 2003 में अंतरिक्ष यान कोलंबिया के साथ हुआ था ऐसा हादसा

हालांकि, यह सामान्य है लेकिन चुनौतीपूर्ण चरण होता है। इस दौरान नासा का स्पेसक्राफ्ट से संपर्क नहीं रहता। स्पेसएक्स के ड्रैगन के साथ भी ऐसा ही हुआ। सात मिनट बाद ही बुधवार तड़के लगभग 3:20 बजे स्पेसक्राफ्ट से संपर्क फिर से बहाल हुआ। एक फरवरी 2003 को नासा के अंतरिक्ष यान कोलंबिया के साथ इसी दौरान हादसा हुआ था, जब पृथ्वी के वायुमंडल में घुसते ही अंतरिक्षयान क्रैश हो गया था, जिसमें कल्पना चावला दुर्घटना का शिकार हो गई थीं। ऐसे में यह समय किसी भी स्पेसक्राफ्ट के लिए बहुत सावधानी भरा होता है।

जानिए क्या है कम्युनिकेशन ब्लैकआउट?

जब भी कोई स्पेसक्राफ्ट अंतरिक्ष से पृथ्वी के वायुमंडल से प्रवेश करता है तो उसकी रफ्तार लगभग 28000 किमी प्रति घंटे की होती है। इस रफ्तार से जब कैप्सूल गुजरता है तो वायुमंडल से रगड़ खाता है। इसी घर्षण की वजह से कैप्सूल का तापमान और बढ़ता है, जिससे स्पेसक्राफ्ट क्रैश हो जाता है। इस दौरान स्पेसक्राफ्ट का मिशन कंट्रोल से सिग्नल टूट जाता है। इस बीच यान का किसी तरह से संपर्क नहीं रहता।

सबसे लंबे समय तक स्पेसवॉक करने वाली महिला अंतरिक्ष यात्री बनीं सुनीता, 62 घंटे 9 मिनट तक स्पेसवॉक किया

59 वर्षीय सुनीता विलियम्स ने 62 घंटे 9 मिनट तक स्पेसवॉक किया, जो किसी भी महिला अंतरिक्ष यात्री की तरफ से किया गया सबसे लंबा समय है। स्पेसवॉक का अर्थ है, आईएसएस के बाहर खुले अंतरिक्ष में बिताए गए घंटे। सुनीता ने ताजा मिशन में 16 और 30 जनवरी को दो महत्वपूर्ण स्पेसवॉक किए, जिनमें से एक 5 घंटे 26 मिनट और दूसरा 6 घंटे का था। मिशन के दौरान उन्हें आईएसएस का कमांडर भी बनाया गया, जो किसी भी अंतरिक्ष यात्री के लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। सुनीता विलियम्स अब तक नौ बार स्पेसवॉक में हिस्सा ले चुकी हैं, जो कि पेगी व्हिट्सन के 10 स्पेसवॉक से कम है। हालांकि, अवधि में सुनीता का रिकॉर्ड पेगी से आगे है। नासा के अनुसार, सुनीता विलियम्स और उनकी टीम ने 150 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोगों पर 900 घंटे से अधिक शोध कार्य किया। इस दौरान उन्होंने आईएसएस पर बागवानी जैसे कार्यों में भी हिस्सा लिया।

सर्वाधिक दिनों तक रहने वाली दूसरी अंतरिक्ष यात्री

सुनीता विलियम्स अब तक तीन बार अंतरिक्ष मिशन पर जा चुकी हैं। इनमें 2006, 2013 और 2024 के स्पेस मिशन शामिल हैं। जहां उन्होंने कुल मिलाकर 608 घंटे अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर बिताए हैं। नासा के किसी अंतरिक्ष यात्री के लिहाज से यह अंतरिक्ष में दूसरी सबसे ज्यादा अवधि है। अमेरिकी अंतरिक्षयात्रियों में उनसे आगे सिर्फ पेगी व्हिटमोर हैं, जिन्होंने आईएसएस पर 675 दिन बिताए हैं। एक बार में 286 दिन तक अंतरिक्ष में रहकर सुनीता नासा की रिकॉर्ड बुक में भी अपना नाम दर्ज करा चुकी हैं।

खबर संक्षेप

राष्ट्रपति एर्दोगन का बड़ा प्रतिद्वंद्वी गिरफ्तार

इस्तांबुल। तुर्की पुलिस ने बुधवार को इस्तांबुल के मेयर और कई अन्य प्रमुख हस्तियों को कथित भ्रष्टाचार तथा आतंकवाद से संबंधित मामलों की जांच के तहत गिरफ्तार कर लिया है। इस्तांबुल के मेयर विपक्ष के लोकप्रिय नेता हैं और राष्ट्रपति एर्दोगन के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी हैं। यह तुर्की में विपक्ष की उठती आवाजों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई की बढ़ती घटनाओं का एक हिस्सा है। उन्हें आतंकी समूह की मदद करने के आरोप में हिरासत में ले लिया है।

मोदी की विदेश नीति की तारीफ पर कायम थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत के रुख की आलोचना करने वाले अपने पुराने नजरिए को गलत माना था। उनके अपनी गलती मानने पर कांग्रेस में ही सवाल उठने लगे थे, जिस पर उन्होंने सफाई दी है और कहा कि यह राजनीतिक मामला नहीं है। थरूर ने कहा कि मैं एक भारतीय के तौर पर अपनी राय रखी और वह इसमें कोई राजनीति नहीं देखते। रूस यूक्रेन युद्ध छिड़ने के बाद भारत के रुख का विरोध करना उनके लिए शर्मिंदगी भरी बात साबित हुआ है।

मेजर बॉब खाथिंग मेमोरियल कार्यक्रम में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

अरुणाचल फ्रंटियर हाईवे से पूर्वोत्तर क्षेत्र में एकजुटता और विकास को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत की विकास यात्रा में पूर्वोत्तर की महत्वपूर्ण भूमिका

भारत अब सख्त और नरम शक्ति का संतुलन बना रहा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि अरुणाचल फ्रंटियर हाईवे पूर्वोत्तर क्षेत्र, खासकर सीमावर्ती इलाकों को जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा। नई दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में आयोजित मेजर बॉब खाथिंग मेमोरियल कार्यक्रम में उन्होंने इस हाईवे को पूरे क्षेत्र और देश के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने भारत की विकास यात्रा में पूर्वोत्तर की भूमिका को स्वीकार किया और इस क्षेत्र के योगदान और इसकी प्रगति को बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को व्यक्त किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने हमेशा इस क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दी है। इनमें बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में 13,000 फीट की ऊंचाई पर बनाई गई सेला सुरंग शामिल है, जो असम के तेजपुर को अरुणाचल प्रदेश के तवांग से जोड़ती है। इसके अलावा, अरुणाचल फ्रंटियर हाईवे के खुलने से यह पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र, विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों में संपर्क बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाएगा। लगभग 2,000 किलोमीटर लंबा यह राजमार्ग भारत के लिए एक रणनीतिक और आर्थिक परिसंपत्ति के रूप में काम करेगा। सरकार द्वारा शुरू की गई विकास परियोजनाओं का ही परिणाम है कि पूर्वोत्तर तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है और हिंसक घटनाओं में काफी कमी आई है।

मेजर बॉब खाथिंग असाधरण व्यक्तित्व के धनी थे

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोगों से सदैव राष्ट्र को सर्वोपरि रखने, एकजुट रहने, सत्यनिष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में निडरता से आगे बढ़ने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि यह मेजर बॉब खाथिंग के मूल सिद्धांत थे और वह एक असाधारण व्यक्तित्व थे जिन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा में अपना अमूल्य योगदान दिया। उनके नेतृत्व और सुधारों से आज भी सरकार को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने सशस्त्र सीमा बल और नागालैंड सशस्त्र पुलिस के गठन में अहम भूमिका निभाई, जिससे क्षेत्र में शांति स्थापना हुई और जनता और सरकार के बीच दूरी कम हुई।

डिजिटल इंडिया से सरकारी सेवाएं लोगों के लिए सुलभ हुई

रक्षामंत्री ने कहा कि सरकार विदेश नीति और प्रशासन में भी मेजर खाथिंग के सिद्धांतों को अपना रही है। उन्होंने बताया कि भारत अब सख्त और नरम शक्ति का संतुलन बनाकर अपनी वैश्विक स्थिति मजबूत कर रहा है। प्रशासनिक सुधारों का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार की 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' और 'गुड गवर्नेंस' जैसी पहल से प्रशासन अब जनता के करीब आ गया है। उन्होंने डिजिटल इंडिया और जैम ट्रिनिटी (जन धन-आधार-मोबाइल) का भी उल्लेख किया, जिससे सरकारी सेवाएं अब लोगों के लिए अधिक सुलभ और सरल हो गई हैं।

शांतिपूर्ण ढंग से अनुच्छेद 370 हटाया

रक्षा मंत्री ने कहा कि मेजर बॉब खाथिंग ने एक भी गोली चलाए बिना तवांग को भारत में कुशलतापूर्वक शामिल किया और पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ऐसे क्रांतिकारियों के सिद्धांतों पर चल रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने एक भी गोली चलाए बिना सबसे बड़ी बाधा- अनुच्छेद 370- को हटाकर जम्मू-कश्मीर का भारत में पूर्ण विलय किया। यह कार्य सभी हितधारकों को ध्यान में रखते हुए पूरी सुरक्षा के साथ शांतिपूर्ण तरीके से किया गया।

रायसीना संवाद में बोले एस. जयशंकर

'टैरिफ व प्रतिबंध' अब अपने हितों की रक्षा के शक्तिशाली उपकरण बने

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ते टैरिफ और प्रतिबंधों का हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि अब ये केवल आर्थिक उपाय नहीं रहे, बल्कि देशों के लिए अपने हितों की रक्षा करने के शक्तिशाली उपकरण बन चुके हैं। जयशंकर ने कहा कि पिछले एक दशक में वित्तीय प्रवाह, ऊर्जा आपूर्ति और प्रौद्योगिकी जैसी कई आर्थिक गतिविधियों का तेजी से एक हथियार के रूप में इस्तेमाल होने लगा है। ऐसे में, दुनिया एक नए आर्थिक समीकरण की ओर बढ़ रही है, जहां नीतियां और प्रतिबंध एक नए दौर की रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बन गए हैं। जयशंकर ने नई दिल्ली में आयोजित रायसीना संवाद के दौरान पैनल चर्चा 'कमिसार और पूंजीपतिः राजनीति, व्यापार और नई विश्व व्यवस्था के दौरान यह टिप्पणी की।

क्षेत्रों को विभाजित करने वाली रेखाएं

जयशंकर ने कहा कि यह दुनिया की सच्चाई है। आप अपने कारोबार के लिए लड़ते हैं, क्योंकि आप अपने रोजगार के लिए लड़ रहे हैं, आप अपनी व्यापक राष्ट्रीय शक्ति के लिए लड़ रहे हैं, जिसमें कारोबार का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। दुनिया भर में विकसित हो रहे वैश्विक स्तर पर अलग-अलग देशों के संबंधों पर जयशंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि आज, विभिन्न क्षेत्रों को विभाजित करने वाली रेखाएं मिट गई हैं। यदि आप अंतरराष्ट्रीय संबंधों को देखें, तो मुझे लगता है कि आज की संस्कृति एक दशक पहले की तुलना में कम संयमित है। इससे पहले 13 मार्च को व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने विभिन्न देशों की ओर से अमेरिका पर लगाए गए टैरिफ पर दुख जताते हुए भारत की ओर से अमेरिकी शराब और कृषि उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ का जिक्र किया था।

डिजिटल युग में राष्ट्रीय सुरक्षा जरुरी

विदेश मंत्री ने डिजिटल व्यापार पर भी अपना तर्क देते हुए कहा कि डिजिटल युग में मुझे लगता है कि सिर्फ लागत के बारे में नहीं है बल्कि सुविधा के बारे में बात होनी चाहिए क्योंकि यह भरोसे के बारे में है। यदि आप आज रणनीतिक स्तर पर गंभीर व्यापारिक बातचीत को देख रहे हैं, तो आप लचीलापन, विश्वसनीयता और पारदर्शिता को ध्यान में रखेंगे। इसलिए आप उन लोगों के साथ अधिक से अधिक व्यापार करना चाहते हैं जिनके साथ आप सुरक्षित हैं। जयशंकर ने कहा कि हर भागीदार कुछ जोखिम पेश करता है, लेकिन आप उन लोगों के साथ जोखिम लेना पसंद करेंगे जहाँ आपके हित विरोधाभासी नहीं हैं।

मणिपुर और नागपुर हिंसा के बीच राजधानी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोले-रक्षा मंत्री

आम जनता से की राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हुए एकजुट रहने की अपील: राजनाथ सिंह

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

मणिपुर और नागपुर की हिंसा के बीच बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आम जनता को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। जिसमें उन्होंने कहा कि सभी लोगों को राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हुए एकजुटता और सत्यनिष्ठा के साथ निर्भय होकर अपने कर्तव्यों को पूरा करते हुए लक्ष्यों की ओर बढ़ना चाहिए। यह जानकारी रक्षा मंत्री ने राजधानी स्थित सैम मॉनेकशॉ केंद्र में मेजर बॉब खाथिंग की स्मृति में आयोजित किए गए एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दी। जिसका भारतीय सेना, असम राइफल्स और थिंक टैंक यूनाइटेड सर्विसेज इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया (यूएसआई) ने संयुक्त रूप से आयोजन किया था।

राजनाथ ने पिछले साल 2024 में तवांग में मेजर रालेंगनाओ बॉब खाथिंग वीरता संग्रहालय का वर्चुअल उद्घाटन किया था। गौरतलब है कि मेजर खाथिंग पूर्वोत्तर के तवांग के सुदूर क्षेत्र में वर्ष 1951 में किए गए अपने पर्वतारोहण अभियान के लिए जाने जाते हैं। जिसके बाद इसे बाकी भारत में शामिल किया गया था। वर्ष 1972 से 75 तक वह म्यांमार में भारत के राजदूत भी रहे। इसके अलावा 1967 में वे नागालैंड के मुख्य सचिव भी रहे।

हार्ड-सॉफ्ट पावर के बीच बिठाते संतुलन

राजनाथ ने सशस्त्र सीमा बल, नागालैंड सशस्त्र पुलिस के गठन जैसे खाथिंग के तमाम सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा सरकार प्रशासनिक सुधारों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन और सुशासन के माध्यम से हमने लोगों और सरकार के बीच के अंतर को घटाया है। आज भारत बहुध्रुवीय विश्व में व्याप्त अनिश्चितताओं के बीच अपनी हार्ड और सॉफ्ट पावर के बीच संतुलन बनाए हुए है। यह गर्व की बात है कि भारत ने अपनी वैश्विक स्थिति को मजबूत किया है। दुनिया के सामने एक नया, मजबूत और संगठित भारत उभरा है। एक समय था जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को गंभीरता से नहीं लिया जाता था। लेकिन आज जब हम बोलते हैं तो दुनिया सुनती है। यह मेजर खाथिंग के आदर्शों से प्रेरित है। उनसे मिले संगठनात्मक कौशल की वजह से भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। रक्षा मंत्री ने 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लिए संगठित रहने की आवश्यकता पर बल दिया। भारत की विकास यात्रा में पूर्वोत्तर की भूमिका को स्वीकार करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार इस क्षेत्र के योगदान और प्रगति को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बिना गोली चलाए भारत में शामिल हुआ तवांग

रक्षा मंत्री ने मेजर बॉब खाथिंग की तवांग के अलावा समूचे पूर्वोत्तर क्षेत्र के एकीकरण, विकास और पुनर्निर्माण में निभाई गई भूमिका की सराहना की। उन्होंने बिना एक गोली चलाए पूरे तवांग को भारत में कुशलतापूर्वक शामिल किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ऐसे ही क्रांतिकारियों के सिद्धांतों पर चल रही है। हमारी सरकार ने भी बिना कोई गोली चलाए सबसे बड़ी बाधा धारा-370 को हटाकर जम्मू-कश्मीर का भारत में पूर्ण विलय किया। यह कार्य सभी हितधारकों को ध्यान में रखते हुए पूरी सुरक्षा के साथ शांतिपूर्ण ढंग से किया गया। मेजर बॉब खाथिंग ने न केवल राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में अहम योगदान दिया। बल्कि पूर्वोत्तर के लिए किया गया उनका कार्य सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किए गए कार्य के समान है। सरकार की विकास परियोजनाओं का ही परिणाम है कि पूर्वोत्तर तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है और हिंसक घटनाओं में भी कमी आई है।

राष्ट्र की एकता, सुरक्षा और अखंडता सर्वोपरि

उन्होंने कहा कि भारत भाग्यशाली है कि यहां मेजर खाथिंग जैसे महान व्यक्तित्व रहे हैं। जिनके लिए राष्ट्र की सुरक्षा, अखंडता और संप्रभुता सर्वोपरि है। वे भारत के महान सपूत थे जिन्होंने युद्ध के मैदान में बहादुरी कूटनीति के क्षेत्र में कौशल के माध्यम से देश के इतिहास में अपनी अमिट छाप छोड़ी। ऐसे महान व्यक्तित्वों के आदर्शों और सिद्धांतों को अपनाना लोगों की जिम्मेदारी है।

पाक एजेंसी आईएसआई के लिए कर रहा था काम

एटीएस ने कानपुर ऑर्डनेंस फैक्टरी कर्मी को किया अरेस्ट

मुंबई हलचल / कानपुर

यूपी एटीएस ने ऑर्डनेंस फैक्टरी, हजरतपुर फिरोजाबाद में कार्यरत रविंद्र कुमार को गिरफ्तार गया था। आरोपी कथित पाकिस्तानी एजेंट नेहा शर्मा के साथ षड्यंत्र कर ऑर्डनेंस फैक्टरी की गोपनीय और संवेदनशील सूचनाएं व दस्तावेज साझा कर रहा था। इसी क्रम में एटीएस उत्तर प्रदेश को जानकारी मिली थी कि रविंद्र कुमार कथित पाकिस्तानी एजेंट नेहा शर्मा से ऑर्डनेंस फैक्टरी, कानपुर में कार्यरत कुमार विकास भी जुड़ा है और ऑर्डनेंस फैक्टरी की गोपनीय सूचनाएं व दस्तावेज व्हाट्सएप के माध्यम से कथित पाकिस्तानी एजेंट को उपलब्ध करा रहा है। एटीएस के पूछताछ करने पर ज्ञात हुआ कि कुमार विकास पुत्र अशोक कुमार निवासी थाना सट्टी, जनपद कानपुर देहात कानपुर ऑर्डनेंस फैक्टरी में जूनियर वर्क्स मैनेजर के पद पर नियुक्त है। यह जनवरी 2025 में कथित पाकिस्तानी एजेंट नेहा शर्मा से फेसबुक के माध्यम से संपर्क में आया था।

लूडो एप का इस्तेमाल करता था

उक्त कथित पाकिस्तानी एजेंट नेहा शर्मा (छद्म नाम) द्वारा खुद को भारत हैवी इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड में कार्य करना बताकर व्हाट्सएप मैसेंजर पर बातचीत कर मोबाइल नंबर साझा किए गए। अभियुक्त कुमार विकास द्वारा पाकिस्तानी कथित एजेंट नेहा शर्मा से गोपनीय रूप से वार्ता करने के लिए लूडो एप का इस्तेमाल किया जाता था।

गोपनीय जानकारियां एजेंट को भेजीं

कथित एजेंट के कहने पर पैसों के लालच में अभियुक्त कुमार विकास द्वारा ऑर्डनेंस फैक्टरी के डॉक्यूमेंट्स, उपकरणों व निर्माण होने वाले गोला बारूद, कानपुर के कर्मचारियों की अटेन्डेंस शीट, ऑर्डनेंस फैक्टरी कानपुर के अंदर मशीनें व ऑर्डनेंस फैक्टरी कानपुर की प्रोडक्शन संबंधी चार्ट आदि की महत्वपूर्ण गोपनीय सूचनाएं कथित पाकिस्तानी एजेंट नेहा शर्मा को भेजी गई है।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया

गाजा के हालात पर भारत ने जताई चिंता, कहा- सभी बंधकों की रिहाई होनी चाहिए

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत ने बुधवार को गाजा में बढ़ते संघर्ष और मानवीय त्रासदी के हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि सभी बंधकों की रिहाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। साथ ही गाजा के लोगों को मानवीय सहायता की आपूर्ति जारी रखने का भी आह्वान किया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। वहीं, भारत शुरुआत से ही इस मामले में दो राज्यों पर आधारित समाधान के पक्ष में रहा है। गौरतलब है कि गाजा के मामले पर भारत का यह बयान एक ऐसे समय में सामने आया है। जब इजरायल ने बीते मंगलवार को गाजा में भीषण हवाई हमले किए थे। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के हिसाब से इजरायल द्वारा किए गए हालिया हमलों में 400 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। उसका यह कार्रवाई इस साल 19 जनवरी से लागू हुए संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन करते हुए की गई है। खुद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा था कि उन्होंने इन हमलों की अनुमति दी थी। क्योंकि हमास ने संघर्ष विराम के विस्तार को सुरक्षित करने के प्रस्तावों को मानने से इंकार कर दिया था। संघर्ष विराम समझौता तीन चरणों पर आधारित है। करीब छह सप्ताह पहले दोनों पक्षों के बीच इसके दूसरे चरण पर बातचीत शुरू हुई थी। लेकिन इसे आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

वाणिज्य सचिव बर्थवाल ने सीआईआई के सम्मेलन में कहा

भारत शीघ्र परिणाम के लिए एफटीए में मुख्य व्यापार मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने बुधवार को कहा कि भारत प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में आयात शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं जैसे प्रमुख व्यापार मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है ताकि इन वार्ताओं के परिणाम तेजी से हासिल किए जा सकें।

सचिव ने कहा कि यह दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है, क्योंकि कभी-कभी इन समझौतों के लिए बातचीत पूरी होने में 'काफी समय' लग जाता है और इसके कारण व्यवसायों की रुचि खत्म हो जाती है।

आयात शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं जैसे व्यापार पर ध्यान दे रहा

ध्यान देने का कारण वार्ताओं के परिणाम तेजी से हासिल किए जा सके

लंबे समय के कारण व्यवसायों की रूचि खत्म हो जाती है

लैटिन अमेरिकी व कैरेबियाई व्यापार सम्मेलन

बर्थवाल ने यहां सीआईआई के भारत-एलएसी (लैटिन अमेरिका व कैरेबियाई) व्यापार शिखर सम्मेलन में कहा, ''...अनुभव यह रहा है कि कभी-कभी मुक्त व्यापार समझौतों में इतना अधिक समय लगता हैं कि लोगों की रुचि खत्म हो जाती है, व्यवसायों की रुचि खत्म हो जाती है।

भारत, ब्राजील, चिली व पेरू से बातचीत कर रहा

भारत..मर्कोसुर (अर्जेंटीना, ब्राजील, पैराग्वे तथा उरुग्वे), चिली और पेरू के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा, '' हम इस बात पर भी विचार कर रहे हैं कि इस (एलएसी) क्षेत्र में आने वाली बाधाओं से कैसे निपटा जाए, चाहे वह गैर-शुल्क बाधाएं हों, शुल्क बाधाएं हों या नियमन हों...।''

एलएसी क्षेत्र का आयात 1800 अरब अमेरिकी डॉलर : बर्थवाल ने कहा कि आने वाले वर्षों में दोतरफा वाणिज्य को 50 अरब डॉलर से दोगुना करके 100 अरब डॉलर करने का लक्ष्य है। सचिव ने कहा कि दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं। एलएसी क्षेत्र का आयात 1800 अरब अमेरिकी डॉलर है और वस्तुओं व सेवाओं का निर्यात करीब 1.8 अरब अमेरिकी डॉलर है।

परिणाम बहुत तेजी से हासिल होंगे

बर्थवाल ने कहा, '' प्रमुख व्यापार मुद्दों पर विचार करें और उस दिशा में काम करना शुरू करें। मुझे लगता है कि यह आगे बढ़ने का एक बेहतरीन तरीका होगा, जिससे हम कई चीजें हासिल कर पाएंगे और व्यवसाय यह देख पाएंगे कि परिणाम बहुत तेजी से हासिल हो रहे हैं।''उन्होंने कहा, '' इस दृष्टिकोण में, हम पारस्परिक लाभ के क्षेत्रों पर ध्यान देते हैं।''

वार्ताओं से कुछ नतीजे निकलेंगे

वाणिज्य सचिव ने कहा, '' इसलिए हम वाणिज्य विभाग में भी इनमें से कुछ मुद्दों की समीक्षा कर रहे हैं, साथ ही हम अपने भागीदारों से बात कर रहे हैं जो हमारे साथ एफटीए कर रहे हैं कि हम पहले मुख्य व्यापार मुद्दों पर क्यों नहीं विचार कर सकते हैं। भले ही यह शुरुआती या पहला चरण हो, लेकिन इन वार्ताओं से कुछ न कुछ नतीजा तो निकलना ही चाहिए। इसलिए हम यह दृष्टिकोण अपना रहे हैं कि हम पहले मुख्य व्यापार मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करें।''

एसपीएस में बाधाएं है

सचिव ने कहा कि मुख्य व्यापार मुद्दे शुल्क, गैर-शुल्क बाधाएं, एसपीएस (सैनिटरी व फाइटो-सैनिटरी) बाधाएं और नियामक कारक हैं। उन्होंने कहा कि भारत और एलएसी क्षेत्र को इस दृष्टिकोण का पालन करने की आवश्यकता है।

ईश वंदना

एक तू ही स्वामी तू ही
पालनहार है।
अल्लाह तेरी महिमा
अपरंपार है।।

एक तू ही पूज्य हो तेरी ही
वंदना।
यह सत्य यही जीवन का
सार है।।

अच्छाई बुराई की सभी को
स्वतंत्रता।
मृत्यु अटल परीक्षा स्थल
संसार है।।

नर्क से बचा प्रदान कर स्वर्ग तू।
हो तेरी कृपा तो बेड़ा पार है।।

किस्से कहानियां ना वाक्या
दरकार है।
कुरआन और हदीस दीन
का आधार है।।

एक की हो वंदना और उससे
ही प्रार्थना।
यही सभी ईश्वर दूतों की
पुकार है।।

कृपा दया और माता-पिता
की सेवा।
-साजिद यही स्वर्ग का
द्वार है।।
-साजिद खान संपादन प्रभाग
हज्जन जुबेदा बी मीडिया
ग्रुप धनपुरी

रमजान पर विशेष : रमजान के रुखसत का पैगाम है अलविदा जुमा

यूं तो जुमा का दिन दिनों का सरदार है और दिनों में सबसे श्रेष्ठ है लेकिन रमजानुल मुबारक के आखिरी जुमा को जो अहमियत हासिल है वह अपनी जगह काफी महत्व रखती है। ईमान वालों के लिए रमजानुल मुबारक अल्लाह के तरफ से बंदों को दिया गया एक अजीम तोहफा है और आज इस महीने का अलविदा जुमा है यानी आखिरी जुमा है।

जिसका एक-एक लम्हा खैरों व बरकत से भरा हुआ है और जिसकी एक एक घड़ी रहमतों व नूर से नहाई हुई है। आखिरी जुमा यानी अलविदा जुमा की अहमियत यह है कि रमजान उल मुबारक महीनों का सरदार है और रमजान उल मुबारक सबसे मुबारक और पाकीजा महीना है क्योंकि इसी महीने में इंसानों के मार्गदर्शन के लिए अल्लाह ने अपनी आखिरी किताब कुरआन मजीद का अवतरण अपने आखिरी नबी रसूल पैगंबरे इस्लाम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैह वसल्लम पर अपने फरिश्ते जिब्राइल अलैहिस्सलाम के प्रकाशना के जरिए प्रारंभ किया। इसी महीने में जन्नत के दरवाजे खोल दिए जाते हैं और जहन्नम के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं और शैतानों को जंजीरों से जकड़ दिया जाता है। जिसमें नेकियों सवाब 70 से 700 गुना तक बढ़ाया जाता है जिसमें नफिल (अतिरिक्त) नमाजों का सवाब फर्ज (अनिवार्य) नमाजों के बराबर हो जाता है और

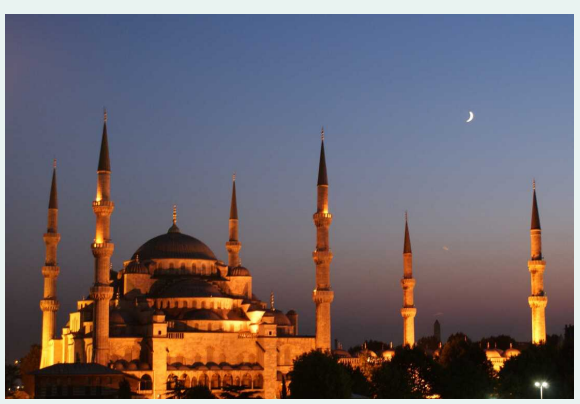

एक फर्ज 70 फर्जों के बराबर हो जाता है और जिसने भी सही नियत से रोजे रखे और सच्चे दिल से तौबा करने पर उसके पिछले गुलाम माफ कर दिए जाते हैं हदीस के मुताबिक किसी गुनाह से तौबा यह है कि इंसान फिर इस जिंदगी में दोबारा कभी ना करें। इस्लाम में जुमा हफ्तावारी सामूहिक इबादत का दिन है और हदीस में है कि जुमा के दिन ही इस्लाम के पहले पैगंबर और पहले इंसान हजरत आदम अलैहिस्सलाम को जन्नत से दुनिया में भेजा गया और उन्हें वापस भी जन्नत में जुमा के दिन भेजा गया और उनकी तौबा (प्रायश्चित) भी जुमा के दिन अल्लाह ने स्वीकार की और जुमा के दिन ही कयामत कायम होगी और सबसे बड़ी बात यह है कि पैगंबरे इस्लाम हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की जिंदगी का आखिरी हज भी जुमा के दिन था और कुरआन में सूरह जुमा नाजिल की गई और आखिरी जुमा माहे रमजान की रुखसत का पैगाम है और रमजान में एक जुमा 70 जुमा के बराबर है और जुमा के दिन एक ऐसी घड़ी आती है जिसमें सच्चे दिल से अल्लाह से जो दुआ की जाए वह कबूल होती है। हदीस में की जो शख्स अपने मां-बाप या किसी एक के कब्र पर हर जुमा को जाए उनके लिए मगफिरत की दुआएं करें तो अल्लाह तआला उसके गुनाह बख्श देता है और मां-बाप के साथ अच्छा व्यवहार करने वाला लिख देता है क्योंकि मां के कदमों के नीचे जन्नत है और बाप जन्नत का दरवाजा है। अल्लाह ईमान वालों को हमको और आपको इस जुमा की रहमते बरकतें अता फरमाए आमीन या रब्बुल आलमीन। अल्लाह से दुआ है कि वह हज्जन जुबेदा बी और जनाब बाबू खान कादरी साहब की बख्शीस फरमाए आमीन। - **साजिद खान संपादन प्रभाग हज्जत जुबेदा बी मीडिया ग्रुप धनपुरी**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सूखी हो या तैलीय त्वचा जोजोबा ऑइल है सबका इला

जोजोबा ऑइल का नाम आजकल आप खूब सुन रहे होंगे। लगभग हर ब्यूटी प्रॉडक्ट में इसका इस्तेमाल होने लगा है। यह बिना महक वाला, गोल्डन कलर का लिक्विड वैक्स जैसा तेल है जो जोजोबा नाम के पौधे के बीजों से निकाला जाता है। इसके ब्यूटी प्रॉडक्ट्स में इस्तेमाल होने की सबसे बड़ी वजह है कि इससे कभी कोई एलर्जिक रिएक्शन नहीं होती। आपको जानकर हैरानी होगी कि जोजोबा ऑइल ऑइली स्किन या तैलीय त्वचा की समस्याओं से तो निजात दिलाता ही है ड्राई स्किन की वजह से होने वाली समस्याओं का हल भी इस–के पास है। असल में यह हमारी त्वचा से निकलने वाले तैलीय पदार्थ सीबम के बनने को नियंत्रित करता है। इसलिए तैलीय त्वचा की समस्या में यह हमारी त्वचा पर मौजूद एक्स्ट्रा चिपचिपेपन को दूर करता है। वहीं ड्राई स्किन या रुखी त्वचा के लिए यह मॉइश्चराइजर का काम करता है।

अगर जोजोबा ऑइल को बाजार से खरीदे किसी साधारण माइश्चराइजर में मिला कर स्किन पर लगाया जाए तब भी उसका पूरा फायदा मिलता है। यह सूखे और खुश्की से फटे होठों के लिए लिप बाम का भी काम करता है।

इसकी कुछ और खूबियां हैं

1. यह हमारी स्किन की नमी को गायब होने से रोकता है इसलिए यह बैक्टीरियल इन्फेक्शन, कील-मुंहासों और डैंड्रफ के खिलाफ भी कारगर साबित होता है।

2. इसमें विटमिन ई होता है। विटमिन ई हमारी त्वचा के लिए एंटीऑक्सीडेंट का काम करता है। इसका मतलब है कि रोजमर्रा की थकान और प्रदूषण से हमारी त्वचा को होने वाले नुकसान की इससे रोकथाम होती है।

3.जोजोबा के एंटीऑक्सीडेंट गुण हमारे शरीर में कोलेजन नामके प्रोटीन को बनने में मददगार साबित होते हैं। कोलेजन हमारी त्वचा और जोड़ों में होता है, उम्र बढ़ने के साथ यह कम होता जाता है जिससे त्वचा में झुर्रियां पड़ने लगती हैं। पर जोजोबा के इस्तेमाल से इस पर रोक लगती है।

फायदे ही फायदे हैं नींबू पानी स्नान से

नींबू का सेवन हमारे शरीर के लिए काफी फायदेमंद होता है। वजन कम करने के अलावा फ्लू के इलाज में भी इसका प्रयोग होता है। इससे मिलने वाली विटामिन सी से हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। पर क्या आपको पता है कि नींबू पानी से नहाने पर भी ढेर सारे फायदे होते हैं। चलिए हम आपको इसके बारे में बताते हैं।

ऑयली स्किन में मददगार

अगर आपकी स्किन ऑयली है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। नहाने से पहले पानी में नींबू की कुछ बूंदे डालिए। लगातार एक हफ्ते तक ऐसा करने पर आपको बेहतर नतीजे मिलेंगे।

रखता है तरोताजा

नींबू रस मिले जल से नहाने के बाद पूरे दिन आप ताजगी का अनुभव करते हैं।
शरीर की बदबू से छुटकारा कुछ लोगों के शरीर से पसीने की भयानक बदबू आती है। नींबू एसिडिक है। इसमें एंटिसेप्टिक होता है जो बदबू दूर करने में सहायक है।

स्मूथ रहती है स्किन

नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड ब्लीचिंग का काम करता है। इससे शरीर के दाग धब्बे दूर हो जाते हैं। स्किन स्मूथ होकर चमकने लगती है।

झुर्रियां होती हैं कम

नींबू पानी से लगातार नहाने पर शरीर की झुर्रियां भी कम हो जाती हैं। आपकी बढ़ती हुई उम्र का पता नहीं चल पाता।

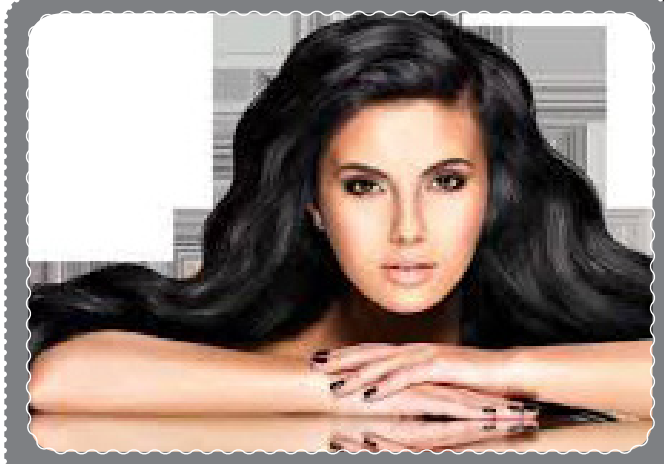

फेयर स्किन के लिए ऐसे बनाएं चिरौंजी फेस पैक

वैसे को खूबसूरती का त्वचा के रंग से कोई लेना-देना नहीं होता लेकिन फिर भी बहुत से लोगों को फैयर स्किन ज्यादा पसंद होती है। इसके लिए वह कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। कई बार यह स्किन को दूसरी समस्याएं भी दे देता है। इसलिए जरूरी है कि आप फेयर स्किन के लिए या फिर किसी भी स्किन ट्रीटमेंट के लिए प्राकृतिक नुस्खों के इस्तेमाल की कोशिश करें।

फेयर स्किन के लिए चिरौंजी

त्वचा की रंगत में निखार लाने के लिए यह एक बेहतरीन आयुर्वेदिक औषधि है। यह हर किसी के किचन में मौजूद होता है। इसकी मदद से आप ऐसा फेस पैक बना सकते हैं जिससे आपकी त्वचा पर ग्लो आए। इसमें फैटी एसिड काफी मात्रा में पाए जाते हैं। यह त्वचा को प्राकृतिक तेल भी उपलब्ध कराते हैं। इसके अलावा चिरौंजी के फेस पैक से चेहरे के मुहांसे, फुन्सी और अन्य कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स दूर हो जाती हैं।

ड्राइ स्किन के लिए फेस पैक

इसके लिए आपको एक चम्मच क्रश्ड चिरौंजी, एक चम्मच फुल क्रीम दूध और एक चुटकी हल्दी की जरूरत होगी। चिरौंजी को पीसने से पहले 2-3 घंटे तक धूप में जरूर रखें। इसके बाद इसे पीसकर रख लें। फैस पैक बनाने के लिए एक चम्मच चिरौंजी के पाउडर को एक चम्मच फुल क्रीम दूध के साथ मिला लें। अब इसमें एक चुटकी हल्दी भी मिला लें। अब इसे चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट तक ऐसे ही रहने दें। बाद में पानी की बौछार से चेहरा धुलें।

ऑयली स्किन के लिए फेस पैक

इसके लिए आपको एक चम्मच कॉर्नफ्लोर, एक चम्मच नींबू के जूस और आधा चम्मच चिरौंजी के चूरे की जरूरत होगी। चूंकि, चिरौंजी थोड़ा ऑयली होता है, इसलिए इससे निपटने के लिए इसमें मक्के के आटे और नींबू जूस का इस्तेमाल किया जाता है। यह ऑयली स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। एक चम्मच मक्के के आटे में आधा चम्मच चिरौंजी पाउडर मिला लें। अब इसमें एक चम्मच नींबू का रस डालकर अच्छे से मिला लें। अब इसे चेहरे पर लगाएं। होठों और आंखों के नीचे के हिस्से पर यह पैक न लगाएं। 15 मिनट बाद चेहरा स्क्रब कर लें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पुष्पा के डायरेक्टर सुकुमार की फिल्म में विलेन बनेंगे शाहरुख खान

बॉलीवुड में इस समय साउथ के डायरेक्टर्स का दबदबा साफ नजर आ रहा है। शाहरुख खान ने एटली के साथ मिलकर जवान जैसी बंपर हिट फिल्म दी, तो वहीं अब सलमान खान भी एआर मुरगादॉस के डायरेक्शन में बन रही फिल्म सिकंदर में नजर आने वाले हैं। वहीं अक्षय कुमार भी कन्नाप्पा में भगवान शिव की भूमिका निभा रहे हैं। ताजा खबर यह है कि शाहरुख खान जल्दी पुष्पा फिल्म डायरेक्टर सुकुमार के निर्देशन में बनने वाली रूरल पॉलिटिकल ड्रामा में नजर आएंगे। इस फिल्म में वह विलन का किरदार निभाने वाले हैं। आइए जानते हैं फिल्म की शुरूआत कब होगी और फिल्म की कहानी क्या होने वाली है। शाहरुख खान जल्द ही सुकुमार की फिल्म साइन करेंगे ऐसा कहा जा रहा है, यह फिल्म गांव की राजनीति पर आधारित होगी और इसमें खास जाति वर्ग को दिखाया जाएगा। फिल्म की कहानी में शाहरुख खान नेगेटिव किरदार निभाएंगे।

आलिया की मां का रोल करने से अंकिता लोखंडे ने किया इनकार

आलिया भट्ट एल्विश यादव का क्रश रही है। खुद इस बात का खुलासा एल्विश यादव ने प्रतीक सहजपाल के साथ वाले पॉडकास्ट में किया था। अब आलिया भट्ट को लेकर उन्होंने अंकिता लोखंडे से एक सवाल अपने पॉडकास्ट में पूछ लिया, जिसकी वजह से सोशल मीडिया पर यूजर्स एल्विश यादव से नाराज हो गए हैं। सिर्फ यूजर्स ही नहीं एल्विश यादव के सवाल से अंकिता लोखंडे भी नाराज नजर आई, उन्होंने एल्विश यादव से पूछ लिया कि क्या 40 साल की उम्र में महिला बूढी हो जाती है। अंकिता लोखंडे पवित्र रिश्ता नाम के टीवी सीरियल में साल 2009 से 2014 तक नजर आई। इस दौरान उन्होंने पत्नी, बहू और मां का किरदार भी निभाया, शो की वजह से उन्हें अच्छी खासी शोहरत मिली। इसके बाद अंकिता लोखंडे ने फिल्मों में काम करना भी शुरू कर दिया। बिग बॉस 17 में भी वह पति विक्की जैन के साथ नजर आई थी। इसके अलावा वह स्मार्ट जोड़ी में भी दिखाई दी थी। स्मार्ट जोड़ी नाम के रियलिटी शो में वह पति विक्की जैन के साथ ही नजर आई और इस शो की वह विनर भी रही। उनके करियर ग्राफ को देखते हुए एल्विश यादव ने अपने पॉडकास्ट में उनसे एक सवाल पूछा कि क्या वह फिल्मों में आलिया भट्ट की मां का रोल प्ले करेंगी। एल्विश यादव ने यह भी कहा था कि विकिपीडिया आपकी उम्र के बारे में बताता है, इस पर अंकिता लोखंडे ने जवाब दिया कि 40 साल में क्या महिला बूढी हो जाती है। आपको लगता है मैं इतनी बड़ी हूं।

इसी साल शादी करेंगे तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा

तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा बिग बॉस के घर में एक दूसरे के करीब आए थे, वहीं उनके प्यार की शुरूआत हुई थी, वहीं इजहार-ए-मोहब्बत भी हुआ था। दोनों के फैंस काफी समय से उनकी शादी का इंतजार कर रहे हैं। फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी है कि तेजस्वी और करण इसी साल शादी करेंगे। खुद तेजस्वी की मां ने इस बात का ऐलान कर दिया है। सोशल मीडिया पर तेजस्वी की मां का बयान तेजी से वायरल हो रहा है। कुछ समय पहले तेजस्वी प्रकाश ने भी बताया था कि वह करण कुंद्रा के साथ कोर्ट मैरिज करना पसंद करेंगी और अब उनकी मां का बयान वायरल हो रहा है। टीवी रियलिटी शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में फराह खान ने तेजस्वी प्रकाश से करण कुंद्रा के साथ शादी को लेकर बात की थी, तब तेजस्वी प्रकाश ने बताया था कि वह उनके साथ कोर्ट मैरिज करना पसंद करेंगी, क्योंकि धूम धड़ाके वाली शादी उन्हें पसंद नहीं है। इस दौरान वहां पर उनकी मां भी मौजूद थी, तेजस्वी प्रकाश की मां ने तब यह बताया था कि 2025 में उनकी शादी हो जाएगी। यह बात सुनकर सभी ने तालियां बजाई, तेजस्वी प्रकाश मां के बयान पर शरमाते हुए नजर आई। हालांकि उन्होंने इस विषय पर अभी कोई बयान नहीं दिया है। तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा के शादी को लेकर काफी समय तक सोशल मीडिया पर चर्चा होती रही, तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा ने हमेशा ही शादी को लेकर गोल मटोल सा जवाब दिया था और यह बताया था कि दोनों अभी अपने-अपने करियर पर फोकस कर रहे हैं। जब शादी का वक्त आएगा तो दोनों शादी जरूर करेंगे और उसके पहले वह शादी का ऐलान भी करेंगे।